

सामान्य अध्ययन - I

सामान्य अध्ययन-1 (भारतीय वरिसत और संस्कृति, वरिव का इतहस एवं भूगल तथा सडलल)

इतहस

- इतहस सामान्य अध्ययन, प्रथड प्रश्नपत्र का डहतत्वपूर्ण डलल है। इतहस का अपेक्षाकृत वसतृत डलड्यकरड डलेशल से परीक्षाथरथरथों के लडल एक डड़ी सडसुडल डनकर सलडने आतल रहल है। कतु डह सडसुडल एक ड्रड डलतूर है, इसका वुडलललरकल सडलधलन परीक्षाथरथरथों की सडसुडल को डड़ी सहूलडत के सलथ हल कर सकतल है।
- दरअसल, इतहस के अंतर्गत डुडीएससी ने आधुनकल डलरत के इतहस के सलथ-सलथ डलरतीय वरिसत एवं संस्कृतलतलथ वरिव इतहस को डी शलडल कडलल है।
- सामान्य अध्ययन के प्रथड प्रश्नपत्र डें कुल 12 टुडकलस हैं डनलडें से शुरुआती डलड टुडकलस इतहस से संबधतल हैं, डनलकल वसतृत ववरण डलड्यकरड डें दडलल गडल है।
- इस तरह से देखा डलए तल इतहस के अंतर्गत तीन खणुड शलडलल हैं; डलरतीय वरिसत और संस्कृतल, आधुनकल डलरतीय इतहस और वरिव इतहस। इन तीनल खणुडल का वशल्लेषण इस प्रकार है-

डलरतीय वरिसत और संस्कृतल

- प्रथड टुडकल डें डलरतीय संस्कृतल के संदरुड डें प्राचीन कल से आधुनकल कल तक के कल के रूड, सलहतलड और वलसतुकल के डुखुड डललुऑल का अधुडन शलडलल है।
- डहल डह सुडलुट कर देनल डुरुरी है कल संस्कृतल एवं वरिसत खंड डें डुडीएससी की परीक्षाथरथरथों से अपेक्षा सरलल तीन डललुऑल; कल के रूड, सलहतलड और वलसतुकल से है, डलकल परीक्षाथरथी डुरी डलरतीय संस्कृतल एवं वरिसत की तैडलरी डें संलगुन रहते हैं। डलसुवरूड वे उन चीऑल पर धुडलन नही दे डलते डनलकी अपेक्षा उनसे की डलती है।
- इस टुडकल के अधुडन के लडल परीक्षाथरथरथों को कलकरड के अनुसलर कलऑल के वकलस, सलहतलड एवं वलसतुकल की डलनकलरी डुरलडुत करने कल डुरलस करनल डलहडल। उदलहरण के तुर डर, डलरतीय इतहस की शुरुआत डुरलगतललसकल कल से ही हु डलती है। इस कल डें डलनव सलडलनडतः खलनलडदुशी डीवन वुडतीत करतल थल, डरल डी कल के डुरतल उसडें डुरेड नलहतल थल। डीडडेटकल की गुडलऑल डें नरलडतल डलतलतल डलतलर डुरलगतललसकल डलनव की ही देन है। इस कल डें कल कल एक रूड सरलल डलतलरकल ही दखलई देतल है अतः इस डकुष कल अधुडन डुरुरी है।
- कल के अनुड डकुषल के अतरलकलत सलहतलड एवं वलसतुकल के संदरुड डें इस कल के डलनव की कुई डुरडुख देन नही है। इसी डुरकल, आगे डडें तलडूर डलषलणकल, नवडलषलणकल, सधु सडुडतल एवं वैदकलकल, डधुडकल तलथ आधुनकल कल के संदरुड डें कल के रूड, सलहतलड एवं वलसतुकल से संबधतल डकुषल कल अधुडन कर उनके डुरश्नुतुतर तैडलर करने की कुशलशल करनी डलहडल।

वरिव इतहस

- इसके अंतर्गत परीक्षाथरथरथों से केवल 18वीं सदी तलथ उसके डलद के वरिव इतहस की डलनकलरी की अपेक्षा की गई है, न कलसलडूरण वरिव इतहस की।
- इसके तहत औदुडगकल कुरलंतल से लेकर वरुतडलन तक की डुरडुख वैशुवकल घटनाऑल की डलनकलरी हुनल डुरुरी है।
- इस टुडकल के लडल 9वीं, 10वीं, 11वीं तलथ 12वीं ककुषल की एनसीईआरटी की डुसुतकुल का अधुडन अपने आड डें डुरडलडुत हुगल। सलथ ही, सडसलडडकल घटनाऑल डर डी नऑर रखनल डहतत्वपूर्ण हुगल कुडुलकल डुडीएससी अधकलंश डुरश्न डरंडरगत डुदुल को सडसलडडकल घटनाऑल से ऑुडकर ही डुछतल है। डुँकल, इतहस खंड से डूलतः डरंडरगत डुरश्न ही डुछे डलते हैं। अतः इसकी तैडलरी के लडल डलनक डुसुतकुल का अधुडन (संबधतल डुसुतकुल की सुडी नीचे दी गई है) और उत्तर-लेखन अडुडलस डुरडलडुत हुगल।

भूगल एवं वरिव कल भूगल

- डुखुड परीक्षा डलड्यकरड डें भूगल (डलरत एवं वरिव कल भूगल) तलथ डुरडलवरणीड डुदुल और आडदल डुरडंधन से संबधतल डुरश्न कुरडशः सामलनड अधुडन **डुरथड एवं तृतीड** के अंतर्गत डुछे डलते हैं।
- धुडलतवुड है कल भूगल कल वसतृत अधुडन अनुड खंडल से संबधतल डुरश्नल को सडलडने व उनके उत्तर लखने डें डी डददगल हुतल है, डैसे अंतरलरलषुटरीड

संबंधों से जुड़े प्रश्न, क्योंकि देशों की भौगोलिक अवस्थिति, संसाधन व अन्य मुद्दों की जानकारी भूगोल की जानकारी के बिना संभव नहीं है। अतः भूगोल का वस्तुतः एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन आवश्यक है।

- भूगोल से संबंधित टॉपिक्स का अध्ययन करते समय अवधारणात्मक (conceptual) रूप से गहन अध्ययन आवश्यक है क्योंकि प्रश्न मूलतः अवधारणा से ही पूछे जाते हैं, जैसे- चक्रवात का अध्ययन करने में वायुदाब पेटियों को अच्छी तरह से समझना आवश्यक है। यह जानकारी आपको चक्रवात की प्रकृति, प्रकार, विशेषताओं व मौसमी दशाओं को समझने में कारगर होगी। अतः भूगोल से संबंधित टॉपिक्स का अध्ययन अवधारणात्मक रूप से गहन जानकारी व विश्लेषण के साथ करना परीक्षा की दृष्टि से उपयोगी रहेगा।
- अगर पछिले वर्षों के प्रथम व तृतीय प्रश्नपत्रों का अवलोकन करें तो एक बात साफ तौर पर देखी जा सकती है कि भूगोल, पर्यावरणीय मुद्दे व आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रश्नों की प्रकृत विश्लेषणात्मक (Analytical) प्रकार की रही हैं, जहाँ संबंधित अवधारणाओं की गहन जानकारी आवश्यक है।
- वगित दो वर्षों की मुख्य परीक्षाओं में सामान्य अध्ययन के प्रथम प्रश्नपत्र में भूगोल खंड से पूछे गए प्रश्नों का अवलोकन करें तो एक बात स्पष्ट हो जाती है कि ये प्रश्न विश्व के भौतिक भूगोल, भारत के अपवाह तंत्र, उद्योगों की अवस्थिति, ऊर्जा संसाधन, महासागरीय संसाधन, कृषि, अफ्रीकी महाद्वीप के संसाधन, प्लेट विवर्तनिकी व भूकंप, ज्वालामुखी, प्लेट विवर्तनिकी एवं द्वीपों के निर्माण, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव तथा एल-नीनो से संबंधित थे, वहीं पर्यावरणीय मुद्दों व आपदा प्रबंधन के प्रश्न पर्यावरणीय प्रभाव आकलन, अवैध खनन, भारत के पश्चिमी क्षेत्र में भूस्खलन व आपदा प्रबंधन से संबंधित थे।

नोट:

❑ समाज खंड की रणनीति एवं इस खंड से वगित वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का उल्लेख प्रश्नपत्र-2 के अंतर्गत सामाजिक न्याय खंड के साथ किया गया है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mains-exam-paper-1-strategy-page>

